दिनांक 11.02.2021

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान, गोरखपुर का उद्घाटन शीघ्र होना प्रस्तावित है। इस परिपेक्ष में वन्यजीवों का अभिवहन आरम्भ होना है। नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ से शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान, गोरखपुर निम्न वन्यजीवों का अभिवहन प्रस्तावित है, वन्यजीवों का यह परिवहन इसी सप्ताह से आरम्भ किया जायेगा।

1. तेंदुआ मादा (नन्दा)
2. बाघ मादा (मैलानी)
3. सेही एक जोड़ा
4. काला हिरन 04 नर व 03 मादा
5. जंगली बिल्ली 01 मादा
6. बारासिंघा 02 नर व 02 मादा
7. पाढ़ा 01 नर व 01 मादा
8. सियार 01 नर व 01 मादा
9. काकड़ 03 नर व 03 मादा
10. रसल वाइपर 1:1
11. अजगर 2:2
12. घड़ियाल 01 नर व 01 मादा

प्रथम फेज में यह वन्यजीव शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान, गोरखपुर स्थानान्तरित किये जायेंगे तथा द्वितीय फेज में बर्डफ्लू की स्थितिनुसार पक्षियों का अभिवहन किया जायेगा।

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ की अस्वस्थ चल रही मादा दरियाई घोड़ा (आशी) के स्वास्थ्य का निरीक्षण करने हेतु मथुरा वेटनरी कॉलेज के प्रोफेसर डा0 आर0पी0 पाण्डेय, सर्जरी हैड एवं रेडियोलॉजी ने प्राणि उद्यान के निदेशक एवं पशु चिकित्सकों से आशी के स्वास्थ्य से सम्बन्धित चिकित्सा हेतु आवश्यक सलाह–मशविरा किया तथा प्रश्नगत मादा दरियाई घोड़ा के सम्बन्ध में प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सकों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये जिसके अनुसार कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त Serengeti Research Centre, Mahale/Gombe Research Centre, Kingupira Research and Njiro Research Centre तथा Smith sonian zoo and Institution, USA के reproductive sciences के Prof. Dr. Budhan Pukazhenthi से ई–मेल के माध्यम से परामर्श लिया गया। इसके साथ ही WAZA (World Association of Zoos and Aquaria) के Spain स्थित JANET HO (DIRECTOR OF MEMBERSHIP) से भी ई–मेल के माध्यम से परामर्श लिया गया। मादा दरियाई घोड़ा की स्थिति स्थिर किन्तु चिन्ताजनक बनी हुई है। वह भोजन ग्रहण नहीं कर रही है तथा अपने साथी नर दरियाई घोड़ा (धीरज) के साथ बाड़े में रह रही है।

(–ह0–)
(आर0के0 सिंह)
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ।